अनुवाद, भाषाओं के बीच संप्रेषण प्रक्रिया है

शांता उन्नीकृष्णन

प्रादेशिक मौसम केंद्र, नागपुर

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

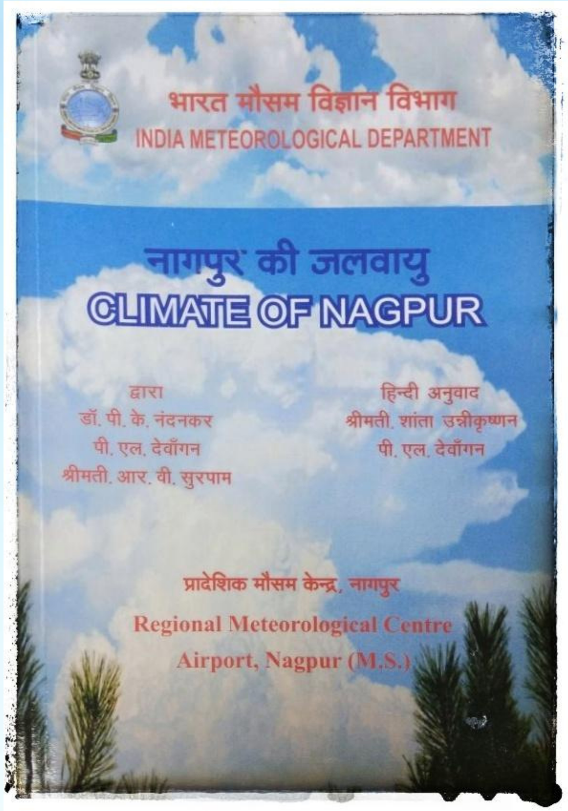

Climate of Nagpur

हिंदी में अनुवादित प्रति ‘नागपुर की जलवायु’

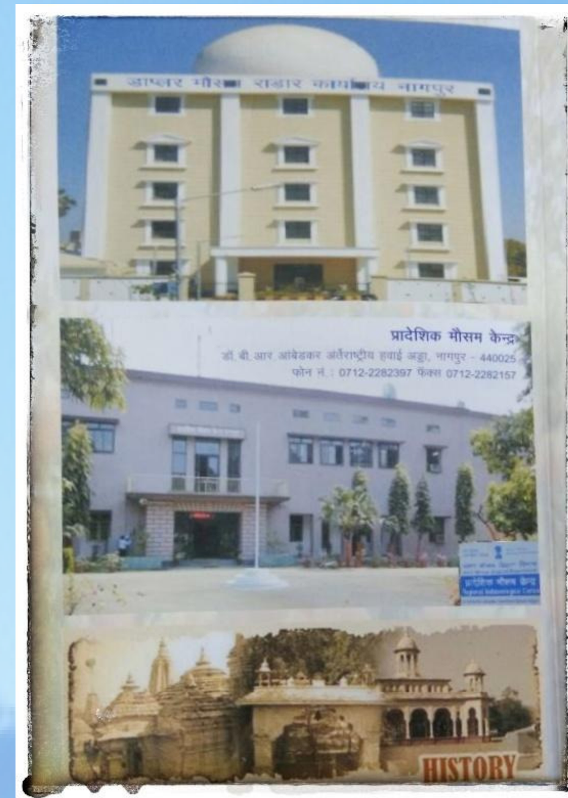

हिंदी अनुवाद के समय कुछ चुनौतियों का सामना किया गया।

किसी अनुवादक के लिए ‘अनुवाद’ यह विषय इतना आसान नहीं है, जितना की समझा जाता है।

अनुवाद का स्वरुप (अपने अनुभव)

- अनुवाद मूलत: एक भाषिक प्रक्रिया है ।
- यह भाषा मनुष्य की अभिव्यक्ति और संप्रेषण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

अंग्रेजी वाक्य : Temperature inside shall be kept at 0-28 degree Celcius and the relative humidity shall be below 70% . टूल्स के माध्यम से ट्रांसलेशन: **भीतर का तापमान 0-28 डिग्री सेल्सियस पर रखा जाएगा और सापेक्षिक आर्द्रता 70% से नीचे होगी।** उपयोगकर्ता को कुछ और अपेक्षित है। नीचे दिए गए वाक्य का अंग्रेजी में रूपांतरण कुछ इस प्रकार होगा। अतः अनुवादक की भूमिका स्पष्ट तौर पर नज़र आ सकती है। **भीतर का तापमान 0-28 डिग्री सेल्सियस पर रखा जाना चाहिए और सापेक्ष आर्द्रता 70% से कम होनी चाहिए।** = The inner temperature should be kept at 0-28 degrees Celsius and the relative humidity should be below 70%.

Should be / shall be का योग्य प्रयोग या कई बार तो यह relative शब्द इस आर्द्रता को रिश्तेदार में बदल देता है, किसी वाक्य को मज़ेदार बना देता है।

अनुवाद के उदाहरण

अंग्रेजी वाक्य : A warm Diwali wish टूल्स के माध्यम से ट्रांसलेशन: दीपावली की गर्म शुभकामनाएं…

Old जो कि एक विश्लेषण है,इसके कुछ उदाहरण जैसे :- Old man, Old friend, 3 years old हो सकते है ।

मशीनी अनुवाद के विकल्प – क्रमश: कुछ इस तरह है पुराना आदमी,पुराना मित्र, 3 वर्षीय पुराना हो सकते है ।

अब यह मानव तय करेगा कि किसके लिए क्या उपयुक्त है :- जैसे बूढा आदमी , तीन साल पुरानी मित्रता हो सकती है , लेकिन 3 वर्षीय बूढा आदमी सही नहीं है।

अतः **अनुवाद, भाषा और संप्रेषण**

यह विषय को चुनने की प्रेरणा मिलती है।

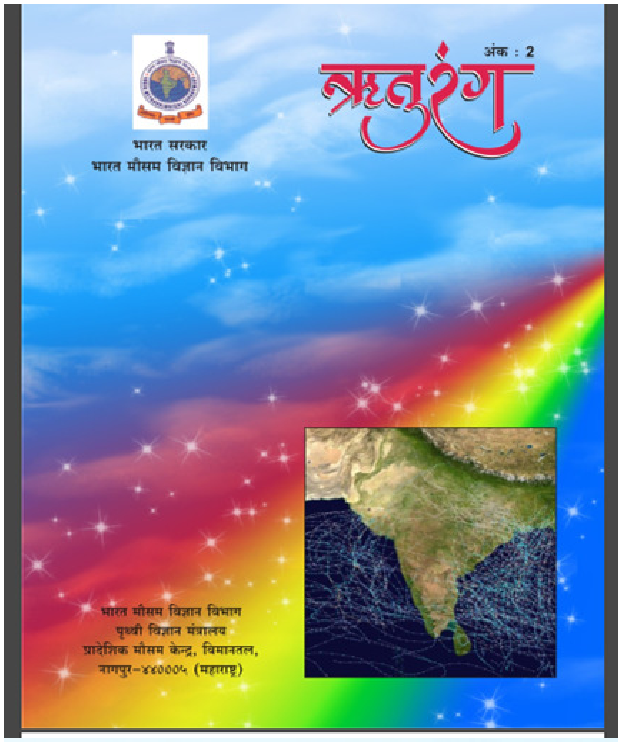

ऋतुरंग

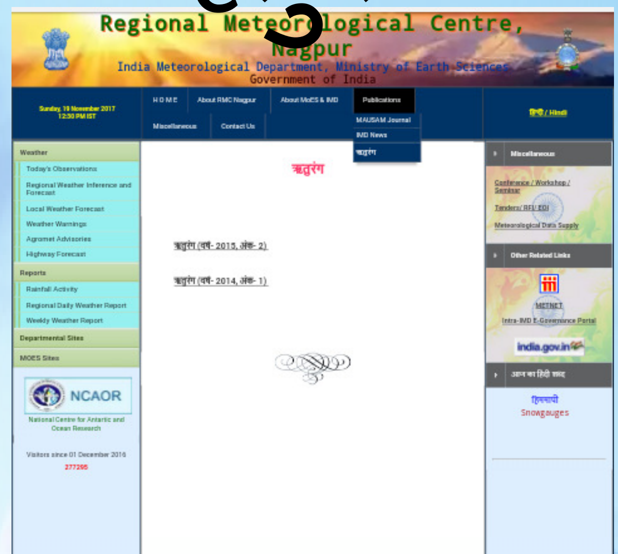

नागपुर से प्रकाशित होने वाली पत्रिका: ऋतुरंग

नगर राजभाषा द्वारा सम्मानित

प्रादेशिक मौसम की वेबसाइट पर ऋतुरंग के दोनों अंकों को देखा जा सकता है, डाउनलोड किया जा सकता है।

यहाँ क्लिक करें riturang 2014 , riturang 2015

अनुवाद, भाषा और संप्रेषण

- ❖ अनुवाद क्या है ?
- ❖ अनुवाद की उपयोगिता
- ❖ अनुवाद का स्वरुप
- ❖ अनुवाद की संकल्पना
- ❖ अनुवाद के विभिन्न चरण

- ❖ संप्रेषण क्या है?
- ❖ अनुवाद और भाषा का अंत: संबंध भूमिका
- ❖ अनुवाद प्रक्रिया में भाषा की भूमिका

आधुनिकीकरण के परिप्रेक्ष्य में अनुवाद और संप्रेषण का योगदान है

- ❖ अनुवाद, विश्व-बंधुत्व को सुदृढ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- ❖ विश्व की संस्कृतियों के विकास में इसका महत्व है।
- ❖ अनुवाद भौगोलिक सीमाओं को लांघने में सहायक है।
- ❖ मानवीय ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न संकल्पनाओं और सिद्धांतों की जानकारी इसके द्‌वारा पूर्ण किया जा सकता है।
- ❖ अनुवाद सभी देशों की राजनैतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक तथा औद्‌योगिक प्रगति में उल्लेखनीय भूमिका है।
- ❖ भाषाई सीमाओं को पार करने में अनुवाद एक महत्वपूर्ण तत्व है।

अनुवाद के माध्यम से मानव में व्याप्त सार्वभौमिक,ऐतिहासिक और सामाजिक एकता के दर्शन होते है, जिसमें भाषाओं के बाहरी भेद के होते हुए भी मानवीय अस्तित्व के समान तत्व का परिचय मिलता है। : डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी

अनुवादक विचारों एवं भावों का अनुवाद दुसरी भाषा में संप्रेषण के उद्देश्य से ही करते है । अनुवाद के माध्यम से दो भाषाओं के बीच एवं दो से अधिक व्यक्तियों के बीच संपर्क स्थापित होती है ।

अनुवाद क्या है ?

- सामान्य रूप से एक भाषा की सामग्री को दूसरी भाषा में अन्तरित करने को अनुवाद कहा जाता है । लेकिन इस प्रक्रिया के पीछे जो विचार या सिद्धान्त होते है उनकी ओर हमारा ध्यान सहजता से नहीं जाता ।
- अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष को जान लेने पर उसका व्यवहार में उपयोग करना अनुवाद को सफल बना सकती है।
- अनुवाद कार्य पूर्वकाल से ही होते आ रही है, लेकिन इस प्रक्रिया का सैद्धांतिक विवेचन आधुनिक युग में ही विशेष रूप से हुआ है ।
- नए ज्ञान क्षेत्र में इस प्रक्रिया को स्वीकृति मिल चुकी है और इसका विकास अनुप्रयुक्त अथवा प्रायोगिक भाषा विज्ञान की शाखा के रूप में हुआ है ।
- 'अनुवाद' तत्सम शब्द है यह शब्द अनु+वद् धातु के अनु उपसर्ग लगने से बना है । अर्थात (कहना/बोलना) है।

अनुवाद क्या है ?

- अनुवाद का मूल अर्थ सार्थक आवृत्ति, पुन: कथन या बाद में कहना है । वैदिककाल में गुरू जो मौखिक रूप से जो कहते थे, शिष्य उसे दोहराते थे, इस दोहराने को ही अनुवाद कहा जाता है । दोबारा कहना अनुवाद है ।
- संस्कृत में अनुवाद का वह अर्थ नहीं है जो आज हम हिंदी में ग्रहण करते हैं । संस्कृत में इस अर्थ का शब्द ही नहीं है । उदा. के लिए 'भाषांतर' का अर्थ संस्कृत में दुसरी भाषा में होता है। नाटकों के लिखित पाठों का संस्कृत में जो अनुवाद दिया जाता है उसे 'छाया' अनुवाद कहा जाता था।
- संस्कृत से अन्य भाषाओं में किए जानेवाले भाष्यों को 'भाषाटीका' कहा जाने लगा । पुरानी हिंदी में संस्कृत रचनाओं के हिंदी अनुवादों को 'उलथा' कहा जाता था । 'तरजुमा'अरबी भाषा का शब्द हिंदी में उर्दू के रास्ते आया जो आज अनुवाद के रूप में प्रचलित है।
- हिंदी में 'अनुवाद' शब्द बंगाली भाषा से आया है। अनुवाद के समानार्थी शब्द है छाया, टीका, भाषा टीका, उलथा, तरजुमा, भाषानुवाद आदि मराठी में भाषातंर शब्द का प्रयोग किया जाता है। अंग्रेजी में इसे 'ट्रांसलेशन' कहते है जो मूलत: लॅटिन शब्द है। 'ट्रान्स' का अर्थ् है 'उसपार' और लेशन का अर्थ है 'ले जाना'।
- अनुवाद शब्द का अर्थ ''पहले किसी भाषा में लिखी गई या कही गई बात को किसी अन्य भाषा में लिखना या कहना'' होता है।

अनुवाद की उपयोगिता

- अनुवादकों के अथक परिश्रम और दूर दृष्टि का ही परिणाम है कि अन्य भाषाओं में रचित ज्ञान-विज्ञान तथा चिंतन मनन को जानने-समझने में आसानी हुई है। यदि मानवीय मनीषा के अनुवादों का यह सिलसिला शुरू न किया होता तो आज संस्कृत, हिंदी तथा भारत के अन्य भाषाओं के महान सहित्यकारों की उत्कृष्ट कृतियां और विश्व की अन्य भाषाओं में प्रकाशित महान रचनाएँ अपनी-अपनी भाषाओं के पाठकों तक संकुचित होकर रह जाती।
- वैश्विकरण के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि "अनुवाद आधुनिकीकरण, पश्चिमिकरण, औद्योगीकरण , जातीय विविधता एवं बहु सांस्कृतिकता के पाठ का निर्माण करने वाला मुख्य घटक बन गया है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय संचार में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।"
- बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपना कामकाज भले ही अपनी भाषाओं या अंग्रेजी भाषा में काम करते हैं लेकिन अपने ग्राहकों के साथ संप्रेषण के लिए ग्राहकों की भाषा का उपयोग करते है। भाषाविद् अनुवाद को भिन्न भाषाओं के बीच का 'सेतु' मानते है।
- अनुवाद पत्रकारिता का एक विशिष्ट उपादान है, समाचार एवं सूचनाएँ विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त कर अपेक्षित भाषा में उसका अनुवाद कर उसे प्रकाशित एवं प्रसारित किया जाता है। प्रौद्योगिकी के इस युग में संप्रेषण व्यवस्था के क्षेत्र में अनुवाद का महत्व बढता जा रहा है, इस कारण अनुवाद की उपादेयता बहुमुखी और बहुआयामी बनती जा रही है।

अनुवाद की संकल्पना

'अनुवाद मूल की रसाभिव्यक्ति, भावाभिव्यक्ति, अर्थाभिव्यक्ति, सौंदर्याभिव्यक्ति, शैली-संप्रेषण संस्कृति प्रतिबिंबन की निकटतम समतुल्य और सहज प्रतीकन की नव सृजनात्मक चैतन्यशील प्रक्रिया है' । अत: अनुवाद मानव-जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी है और बिना अनुवाद के हमारी संप्रेषण-व्यवस्था सुचारू रूप से जारी नहीं रह सकती । यह विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़ता है और ज्ञान-विज्ञान के द्वार खोलता है।

- ’अनुवाद भाषाओं के बीच संप्रेषण की प्रक्रिया है , इसके लिए अलग-अलग भाषाओं में भिन्न-भिन्न शब्द है।
- अंग्रेजी में अनुवाद के लिए 'ट्रासंलेशन' शब्द का प्रयोग किया जाता है। अंग्रेजी के एन एटिमालॉजिकल डिक्शनरी ऑफ द इंग्लिश लैंग्वेज' नामक कोश में इस शब्द का अर्थ एवं व्युत्पति निम्न प्रकार है :- Translate - to transfer मुव्ह टु अनदर प्लेस ।

अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण

अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण

1. **पाठ-पठन :-** यह अनुवाद की प्रक्रिया का पहला चरण है । इससे पाठ में अंतर्निहित विचार की गहराई तक जाने में सहायक होती है ।
2. **पाठ विश्लेषण :**- यह अनुवाद का दूसरा चरण है । अनुवाद की दृष्टि से मूल पाठ का विश्लेषण किया जाता है ।
3. **भाषातंरण :-** भाषातंरण अनुवाद का तीसरा और महत्वपूर्ण चरण है । यहीं पर मूल भाषा बदली जाती है ।
4. **समायोजन :-** यह अनुवाद प्रक्रिया का चौथा चरण है । इसे पुन:गठन भी कहा जाता है ।
5. **तुलना :-** अनुवाद प्रक्रिया का यह अंतिम चरण है । इसे पुन:रीक्षण भी कहा जाता है ।

ट्रांसलेट- टू ट्रांसफर- टू टेंडर टू अनदर लैंग्वेज

अंग्रेजी के दूसरे एक शब्द कोश में अर्थात् 'द ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ऑफ इंग्लिश एटिमालॉजी कोश' में इस शब्द का अर्थ एवं व्युत्पति इस प्रकार की गई है :-

- ❖ Remove from one place to another
- ❖ Turn from one language to another

Translation यह शब्द दो लैटिन शब्द के योग से बना है। ट्रांस का अर्थ - पार लेशन - का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार 'पार जाने की क्रिया' भाषा के संदर्भ में एक भाषा का कथन, दुसरी भाषा में ले जाना अर्थात् अनुवाद।

जेसी केटफोर्ड : "The Replacement of Textual Material in one language by equivalent Textual Material in another language".

अर्थात् – अनुवाद स्रोत भाषा की पाठ्य-सामग्री को लक्ष्य भाषा के समानार्थी पाठ में प्रतिस्थापित करने की प्रक्रिया है।

इस प्रकार अनुवाद में, जिस भाषा में अनुदित करने की सामग्री उपलब्ध होती है, उसे स्रोतभाषा कहते है तथा जिस भाषा में अनुवाद करना होता है, उसे लक्ष्य भाषा कहते हैं। लक्ष्य भाषा में स्रोत भाषा की सामग्री का समानार्थी पाठ में रूपांतरण करना, अर्थात् अनुवाद ।

संप्रेषण क्या है?

- संप्रेषण दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच मौखिक, लिखित, सांकेतिक या प्रतिकात्मक माध्यम से विचार एवं सूचनाओं के प्रेषण की प्रक्रिया है। संप्रेषण हेतु संदेश का होना आवश्यक है। संप्रेषण में पहला पक्ष प्रेषक (संदेश भेजने वाला) तथा दूसरा पक्ष प्रेषणी (सन्देश प्राप्तकर्ता) होता है। संप्रेषण उसी समय पूर्ण होता है जब संदेश मिल जाता है और उसकी स्वीकृति और प्रत्युत्तर दिया जाता है।
- संप्रेषण के प्रकार :-
  - मौखिक संप्रेषण
  - लिखित संप्रेषण
- अनुवाद कर्म भाषा का सहायक है। संप्रेषण के महत्वपूर्ण साधन के रूप में भाषा प्रतिष्ठित है परंतु दो भिन्न भाषा-भाषियों के बीच संप्रेषण में जब भाषा ही बाधा बन जाए तब अनुवाद भाषा की समस्या को दूर कर संप्रेषण की नैरंतर्यता को बनाए रखता है।
- अनुवाद को विभिन्न विद्वानों ने अलग-अलग रूप से परिभाषित किया है जैसे नाइडा व टैबर के लिए यह पुन:सृष्टी, बर्खुदरोव के लिए यह रूपांतरण है, कैटफोर्ड के शब्दों में यह प्रतिस्थापन प्रक्रिया है तथा ए.एच.स्मिथ के शब्दों में 'अनुवाद करना यथासंभव अधिक से अधिक भाव की रक्षा करते हुए उसे दूसरी भाषा में बदल देना है।

शाब्दिक अनुवाद के कारण हुई भूलें

❖ There is a crying need for more funds यहाँ "crying" के लिए यदि अनुवाद और अधिक धन राशि के लिए रोकर जरूरत बताने का भाव ग्रहण करता है जबकि crying का भावार्थ है Great and urgent . इस प्रकार सही अनुवाद होगा,' अधिक धनराशि की तत्काल और अत्यधिक आवश्यकता है।

❖ The Problem of Pollution should be addressed as early as possible. " प्रदूषण की समस्या को संबोधित किया जाना चाहिए ". यह गलत अनुवाद है। यहाँ ' Addressed ' शब्द सुलझाने या समस्या का हल या निराकरण करने के अर्थ में प्रयुक्त है, अत: सही अनुवाद होगा -' प्रदूषण की समस्या का यथाशीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए।'

❖ The department is not governed by these bye laws. यहाँ governed by का शाब्दिक अर्थ " शासन " समझकर अनुवाद इस प्रकार किया गया – " विभाग उपविधियों द्वारा शासित नही है।" जबकि इसी वाक्यका सीधा अर्थ इस प्रकार है – " इस विभाग पर ये उप – विधियाँ लागू नहीं होती।" क्योंकि शासन किसी व्यक्ति या दल का हो सकता है विधियाँ कभी शासन नही करती।

❖ Quite a few ministries are facing cash crunch. ' A Few' का अर्थ है ' कुछ या थोडी – सी ' परंतु Quite शब्द पर यदि ध्यान दिया जाए तो वह ' बहुत अधिक संख्या ' का द्योतक है लेकिन यहा दोनों के अलग –अलग अर्थ से काम नही चलेगा। 'Quite a few ' का मतलब होता है – ' बहुत से, कफी '। इस प्रकार a few से पहले Quite लग जाने से अर्थ हो जाएगा – ' बहुत से मंत्रालयों को धन की कमी का सामना करना पड़ रहा है।'

अनुवाद और भाषा का अंत: संबंध भूमिका

- ❖ अनुवाद के लिए दो भाषाओं की आवश्यकता होती है जिसे स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा कहा जाता है। यह कार्य दो भिन्न भाषा-भाषियों के बीच विचार विनिमय के लिए एक सेतु या माध्यम के रूप में कार्य करता है ।
- ❖ अनुवाद करते समय अनुवादक को भिन्न दो भाषाओं की ध्वनि, रूप या पद , वाक्य, प्रयुक्ति तथा अर्थ के संप्रेषण की विधि समझने के पहले, स्रोत भाषा के इन तत्वों को ग्रहण करना होता है।
- ❖ अनुवाद की प्रक्रिया से गुजरते समय अनुवादक को कभी दोनों भाषाओं के समानताओं तो कभी विषमताओं का सामना करना पडता है।
- ❖ वस्तुत: अनुवाद एक जटिलतम कर्म है क्योंकि प्रत्येक भाषा अपनी प्रकृति, परिवेश, संरचना और अर्थ के साथ विकसित होती है। अत: किसी भी भाषा के आशयपरक, अभिव्यक्तिपरक और समाजपरक आयामों को दूसरी भाषा के संगत आयामों में प्रतिस्थापित करना कोई सरल कार्य नहीं है।
- ❖ अनुवाद प्रक्रिया की मूल समस्या दो भिन्न भाषाओं के परस्पर संप्रेषण की होती है। यह परस्पर संप्रेषण दोनों भाषाओं की संरचना के परिपेक्ष्य में ही संभव हो सकता है।

अनुवाद प्रक्रिया में भाषा की भूमिका :-

- ‘एक भाषा’ (स्रोत भाषा) की किसी भी बात को ‘दूसरी भाषा’ (लक्ष्य भाषा) में बोधगम्य बनाना अनुवाद कहलाता है। अनुवाद में लक्ष्य भाषा कभी एक से अधिक भी हो सकती है।
- स्रोत भाषा से ही अनुवाद किया जाए यह आवश्यक नहीं। उदाहरण के लिए- हरिवंशराय बच्चन ने’ ‘भाषा अपनी भाव पराए’ नामक काव्य संग्रह के लिए भिन्न भाषाओं की 25 कविताओं का अनुवाद किया था जबकि वे केवल हिंदी और अंग्रेजी भाषा जानते थे। उन्हे मूल कविता का अंग्रेजी अथवा हिंदी का शब्दानुवाद दिया जाता था जिससे कविता के भाव-विचार समझने में आसानी होती थी।

धन्यवाद

भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT